nwda.gov.in

# आवंटन का बढ़ा ग्राफ, गंगा होंगी तेजी से साफ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : गंगा को साफ-सुथरा बनाने के लिए चलाए जा रहे नमामि गंगे मिशन के परिणाम पर उठे सवालों के बीच केंद्र सरकार इस साल योजना पर और अधिक खर्च करने जा रही है। बजट में इस अभियान के लिए आवंटित राशि में 945 करोड़ रुपये की वृद्धि कर दी गई। मोदी सरकार की तीसरी पारी में जलशक्ति मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने वाले सीआर पाटिल ने हाल ही में इस अभियान की समीक्षा की थी। उन्होंने इस मिशन के क्रियान्वयन में नए तौर-तरीके अपनाने पर जोर दिया था।

नमामि गंगे मिशन को पिछली बार 2,400 करोड़ रुपये दिए गए थे, लेकिन इस बार यह आवंटन 3,345 करोड़ रुपये है। अब तक इस मिशन में 25 हजार करोड़ से अधिक धनराशि खर्च की जा चुकी है। पानी के मामले में केंद्र सरकार ने बजट के

- केंद्र सरकार का नमामि गंगे पर फोकस कायम, आवंटित राशि में 945 करोड़ रुपये की वृद्धि

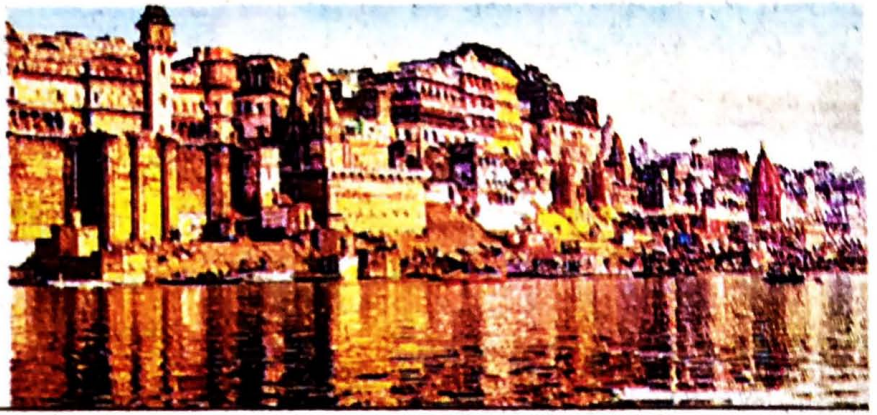

जरिये दो और संदेश देने की कोशिश की है। अटल भूजल योजना के लिए बजट बढ़ाने के साथ पीएम कृषि सिंचाई योजना के लिए भी इस बार ज्यादा राशि दी गई है।

अटल भूजल योजना सात राज्यों में सामुदायिक सहयोग से भूजल स्तर की गिरावट को रोकने के लिए चार साल पहले लांच की गई थी और हाल की एक रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश और हरियाणा ने इस योजना के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय कार्य किया है। जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार अटल भूजल योजना का दायरा भी बढ़ाया जा सकता है। अटल भूजल योजना के लिए इस बार 1,778 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जबकि पिछले साल यह राशि एक हजार करोड़ रुपये थी।

इसी तरह पीएम कृषि सिंचाई योजना को भी खेती में पानी के इस्तेमाल के तौर-तरीके सुधारने की दिशा में अहम योजना माना जा रहा है। इसी का नतीजा है कि इस योजना के लिए आवंटन में 2,308 करोड़ रुपये की बड़ी बढ़ोतरी की गई है। पीएम कृषि सिंचाई योजना को इस बार 9,339 करोड़ रुपये मिले हैं।